

Department of English, J. K. College, Purulia ENVIRONMENTAL STUDIES, 2022-23 (PROJECT REPORT)

ABSTRACT: Michael Madhusudan's visit to Purulia had a significant impact on the cultural and literary environment of the district town. Madhusudan Dutta, often referred to as the father of modern Bengali poetry, was a renowned poet and playwright during the 19th century Bengal Renaissance.

विकासमाम अवद्वा

অল্পব ক্রমার হরোলাক্রিয়া

त्येश्वा - आपहेरित साइकिय सर्वेश्वर , यह क्रिक्स श्रेष्ट ।

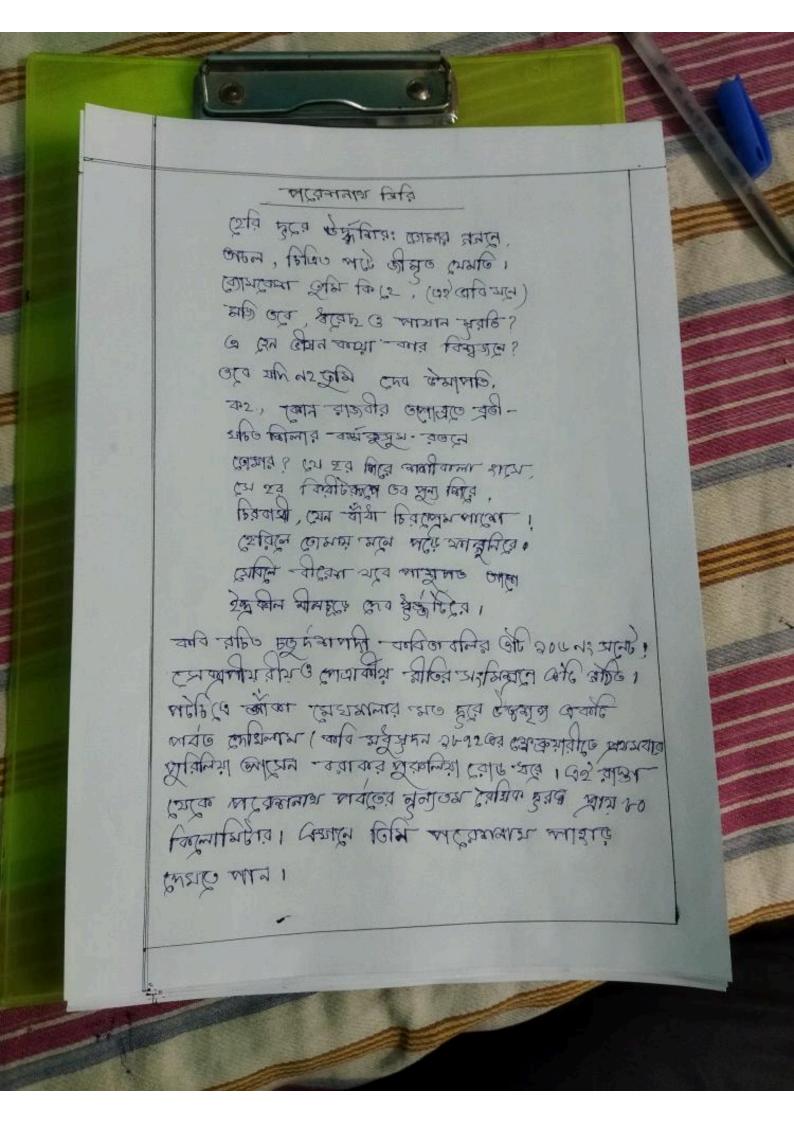
त्या अश्वर , स्था देरित साइकिय सर्वेश्वर , यह क्रिक्स श्रेष्ट ।

त अश्वर क्रिक्स । उपलिस क्रिक्स मिन्द । श्रेष्ट क्रिक्स क्रिक्स

व्यक्तिम्बर्ध अपवार्थ । २० त्रीमीट्रि माम्बर्ध कामारा व्यक्तिमात्र अपवार्थ । २० त्रीमीट्रि माम्बर्ध कामारा व्यक्तिमात्र अपवार्थ । २० त्रीमीट्रि माम्बर्ध कामारा व्यक्तिमात्र व्यक्तिमात्र

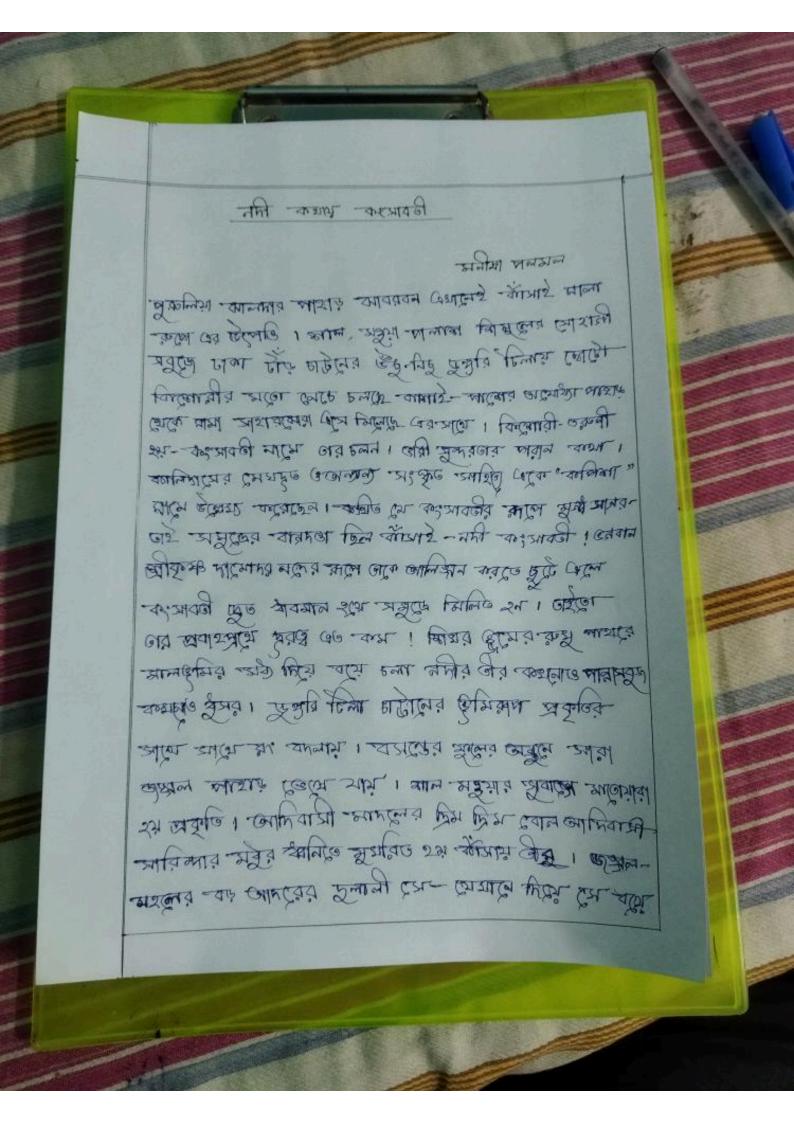
रिक्ष मिल्लामव स्थिय नीम चिटिन स्थियं के प्राप्त संक्षित संक्ष वर्द्रम । वन्यम्मध्य (वर्षे न्यः खाउ त्यस्कद्भ प्रतिवर्ष । म्ममेंदेशिवं येकांता, शिर हेम्त , हमाति जिन्न वर्धिय । एक्सवं भिद् १०००-यहरेश लाख्यात न्यात्रेश्रम स्परियद्य क्रिं न्म व्यक्ट्रकार्टेन नाजवीमी न्यामीसून म्यानासूनि भ्याम सन उर्वालीत अथाशका जीलयनि चिर्द्राव्यवं आयम्बन स्थार्टकण -शर्वतित्य ब्राह्मक कार्यिय क्रिक्ट भूमिटिव क्रिकेट आयमा नड़ाड़ नियुक्त कर छ 21-05 स्मिले ट्यासेंगेयी ट्यांक केने - सक्सीटियं स्मी. कान शुक्रामिश्र जिंदियारिल कार्या । विक्रम् कार्याका किए विने जिन जान द्वासिकि क्याहर कि , २४०७ वन १२० दिन क्य खिमें रुष।

श्रुडिक निय स्माश्चित्रके एम देशका, देश देशका अविका - मुक्किण ' सात्र कम - कराप कि मार्क इ किनु कड द्यानाम इकि इसाइ मिल, ए प्रकास । ट्रम्डमहुम ६ कव- सब्धा ख्रीएके चात्रक अथ , यां क्रिक हिला; সেল্ডান - বিস্থাদ্য ও ইও এইখে: वहां वानि जानि नहां द्वारे क्व जहनं . भविद्याल-वीत-विज्ञी चावित्र जिलि ! (च्छूत की अञ्चा १ एस अवि म्राप् (-कह हाक्रामान क्रीम चन्त का नगराप्त १) ्यायायन किला विति द्वाविक जाता। क्रम्मिला निशा एक वर्षिव न्यः यात्रेवः हेक्सिना न्यूय उव न्याष्ट्रव आआहाः ব্যাহ্রক সৌতানা তব এ প্রার্থনা করি लायक साहाका-त्यापि मिन् वर वर्षे। -रावी - इकि हु मंबाणमी चारिकार्वामा क्षेर २०० म; प्राप्ति। श-१२ - आद्भर दम्मुशादी आदम चिविन एपरि जिमित्सर राम क्याम मार्च नाव प्रकालमा प्राचित्र । कीवरिं वार्ड प्रिट्यमारं उत्यावित स्थिति एडे लेखा भुव -यनाम - व्यक्तिकारिन न्यक्तियमी -मीध न्यस्थित - व्यक्ति -केळ्ळाता लाखि अंज नाम - यापार - यह न अविविधन ।



नक्षद्वमें निवि

निर्मा अद्भक्ष अर्जु न्यु त्या विश्वता निर्माण कार्या । कार्यु निर्माण विश्वता निर्माण कार्या । कार्यु निर्माण व्याप्त विश्वता निर्माण विश्वता कार्या । कार्यु के निर्माण विश्वता कार्यु के निर्माण विश्वता कार्यु कार्यु



क्ष्मक के स्कृति दमश्मी यहित क्षिक्रित दक क्षिक्र स्मिवक्रमां। -क्षित्वकित्रिक सामिवंत्रमात स्पिकिति द्य। क्वाल म्यूस्थ लालावात वहा जात कि कामकाम विसे । बर्त देन क्षेत्र कर क्षेत्रण हैर्या न्यांद्रिक क्षित्र वरं ट्यामानि, वर खिल्मती! वर्षांग्रं शेष्ठ व्याप लागिस निष्टि माने मेंडे ब्रिंड ब्योगांव क्या कशास्त्र शिष्ट माने व्याधन हारि। - वर्गाय - वन्माय - मादा क्रिमीय राउ खर्मियाय - एडे खर्कि (वक रिन्म कि शिक्षित कान) रिन्म । ज्येव कि अविवक्षि किशिष्टिक्षति - व्यवेशि नवकेश्व स्थान केता। यम किशिष्टि क्षिति देव के प्राप्त किया हिंग कि श्री के भारती कार्य चन्नावास सुधातिक कीवन न्याकृष्टि । नीने हुद्र स्मान द्वादि चानिशेष्प्रव कान्छ। मनमान भाषीन नगद्व कुनद्वानि। सक्षा नामले ह्याहारा होंच जांत रेडेहीन। यंस्ता विचार उत्पाति व्याप्त देसदेश स्विति होते होने वर कर केंद्रा सन्मालावान क्रम्यांत सम्मा हिन्दान द्वावात द्रम्स मन्मल। पर्न ममी कि बेले श्राप्त श्राप्ति काम किमवा। क्षित्रा अववाध के के स्रितं यां लामदेवव न्यूप । यथ छाटि व स्पर्क कार्य कार्य यथि स्थाप चन्त्रल हार्द्रिय कीयम द्वावर्त्तव वाविश्वत । स्वार्ष्ट्रव द्वाम ट्रनरे - नावमा, क्रींट , क्रिंग - क्रालियार, हिर्दि - यन बार मारी बर्ष गांज हमधित । स्मीत साहद साहद आर्वराटिन स्टि क्षा करियटेवं ज्ञा। हिसे यान ' दियायेथ स्यावेश न - डम्खान निम क्रियामन यन चन्ना क्रियाक्रम ।